की सद्भावना यात्रा पर गये थे तथा उन्होंने किन-किन देशों की यात्रा की;

(ख) उनकी यात्रा के सम्बन्ध में सरकार द्वारा कितने रुपयों के मूल्य की विदेशी मुद्रा खर्च की गई; और

(ग) व्यय के लिये 1968-69 में इन मिशनों पर कितनी राशि नियत की गई है ?

प्रधान मंत्री, अणुशक्ति मंत्री, योजना मंत्री तथा वैदेशिक-कार्य मंत्री (श्रीमती इंदिरा गांधी): (क) मई, जून और जुलाई 1968 में प्रधान मंत्री ने नीचे लिखे देशों की यात्रा की थी :

(1) सिंगापुर
(2) आस्ट्रेलिया
(3) न्यूज़ीलैंड
(4) मलयेशिया

मई 1968 में प्रधान मंत्री सिक्किम और भूटान भी गई थीं जिनके साथ भारत के विशेष संधि-सम्बन्ध हैं। विदेश मंत्रालय की ओर से कोई और मंत्री विदेश की सद्भावना यात्रा पर नहीं गया।

(ख) यह सूचना सुलभ नहीं है क्योंकि कुछ मिशनों से अभी ब्यौरा नहीं आया है।

(ग) सद्भावना यात्राओं के लिये इस तरह कोई रकम नियत नहीं की जाती। इस प्रकार के मिशनों का खर्च प्रतिनिधिमंडलों/शिष्टमंडलों के अन्तर्गत सामान्य व्यवस्थाओं और यात्रा भत्तों से किया जाता है।

बच्चों के लिये रेडियो सैट

731. **श्री हुकम चन्द कछवाय**: क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों में देश में बच्चों के लिये कितने रेडियो प्रसारण श्रोता केन्द्र खोले गये हैं; और

(ख) चालू वित्तीय वर्ष में सरकार का विचार बच्चों के लिये कितने रेडियो प्रसारण श्रोता केन्द्र खोलने का है ?

सूचना तथा प्रसारण मंत्री (श्री के० के० शाह): (क) 1965-66, 1966-67 तथा 1967-68 में देश में बच्चों के लिये जिन श्रोता केन्द्रों को बनाया गया है, उनकी संख्या नीचे दी गई है :—

वर्ष	बाल-श्रोता केन्द्रों (क्लबों) की संख्या
1965-66	4163
1966-67	6927
1967-68	9110

(ख) कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है। बाल श्रोता क्लबों का बनाया जाना नये बाल-कल्याण केन्द्र, जिनमें रेडियो सेट लगे हों, के खोलने पर निर्भर करता है।

Film Council

732. SHRI K. LAKKAPPA: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government propose to constitute a Film Council;

(b) if so, what will be the features and functions of this Council and expenditure involved in setting it up; and

(c) how it is going to assist the film industry?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI K. K. SHAH): (a) to (c). The feasibility of setting up a high-level statutory body to promote the co-ordinated development of the film industry as a whole is under consideration in consultation with the film industry. Orgonisational and functional details have not been worked out so far.